

Economics & more...



### News at a glance...

Wholesale inflation rises to 38-month high of 3.88% in March

[Read more...](#)

Unemployment rises to 5.1% in March, driven by urban joblessness

[Read more...](#)

EU examines expansion of CBAM to 180 more items

[Read more...](#)

Marine exports at record \$ 8.43 billion, up 14% on year, despite US tariff

[Read more...](#)

69.5% of rural households expect a rise in income: Nabard

[Read more...](#)

Rs 5,000-crore incentive for states to fast-track mining reforms

[Read more...](#)

India-New Zealand signs landmark FTA

[Read more...](#)

US imposes anti-dumping duties on Indian solar imports

[Read more...](#)

## Special Article

### Analysis behind the devaluation of rupee

—Nikhil Srivastav

The year 2026 has witnessed constant turbulence in the realm of the global financial market, with the Indian rupee becoming a victim of this global chaos. To gauge the extent of the stress that is being faced by our currency, one has to take a look at the figures that have been witnessed during the recent months. For instance, on the first day of the year 2026, the cost of one US dollar was at ₹89.96. Jump ahead to April 14, 2026, and the value of one US dollar has climbed up to ₹93.98.

[Read More...](#)

## Research Article

### India's New Trade Deals and What They Mean for Growth

By Isha V

India has experienced a subtle but significant change in its trade strategy over the last year. After years of hesitant flirtation with free trade agreements (FTAs), the country has signed and operationalised a series of ambitious deals with the United Kingdom, the European Free Trade Association (EFTA), and most recently, New Zealand. Individually, each agreement expands market access.

[Read More...](#)

## More Updates

Rs 500 cr critical mineral allocation:  
Govt to set up 4 processing parks

[Read more...](#)

MoSPI to use GST data for services  
production index

[Read more...](#)

Goods exports fall 7.4% in March,  
shipments to West Asia down 68%

[Read more...](#)

US extends waiver on Russian oil  
sales till May 16

[Read more...](#)

## सफलता की कहानी

श्री अर्पण शाह - एडु प्राइम टेक्नोलॉजी लिमिटेड : एक इंजीनियर ने अपने कॉलेज के दौरान किए गए प्रोजेक्ट को ही बना लिया अपना स्टार्टअप।



2010 में अपनी इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग मुंबई से कर कर श्री अर्पण शाह जी ने अपने कॉलेज के दौरान किए गए इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट को ही व्यापार का रूप देने का सोचा। वह अपने कॉलेज में इलेक्ट्रॉनिक डिपार्टमेंट के संगठन के जॉइंट जनरल सेक्रेटरी रहे। 2008 में इंजीनियरिंग के दौरान ही उन्होंने अपनी एक स्टार्टअप कंपनी टेक्नो ग्रेविटी सॉल्यूशंस का निर्माण कर लिया था जो की बच्चों को रोबोटिक्स के बारे में समझती थी एवं उनकी वर्कशॉप कंडक्ट करती थी। सोशल इंजीनियरिंग के साथ-साथ वह अलग-अलग कॉलेज में उसके माध्यम से वर्कशॉप्स कंडक्ट करते रहे। दरअसल व्यापार उनकी रगों में था। वह एक बिजनेस फैमिली को ही बिलॉन्ग करते थे और उनका सपना भी एक व्यापार

को खड़ा करना ही था। इंजीनियरिंग खत्म होने के बाद उन्होंने उसी प्रोजेक्ट को और भी आगे बढ़ाने की सोची और यह समझ में आया कि इंजीनियरिंग कॉलेज की जगह उन्हें स्कूल के बच्चों के साथ जाकर वर्कशॉप कंडक्ट करने चाहिए ताकि बच्चों को वहीं से रोबोटिक समझना शुरू कर देना चाहिए। आने वाला समय वह जानते थे कि टेक्नोलॉजी का है। 2013 में जब उन्होंने अपने इस व्यापार को स्कूल की तरफ डायवर्ट किया तो उसका नाम रखा गया एडु प्राइम टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड जिसके अंतर्गत वह अलग-अलग स्कूलों में जाकर रोबोटिक्स के ऊपर वर्कशॉप कंडक्ट करने लगे। 2015 तक आते-आते उन्हें यह समझ में आ गया था कि केवल वर्कशॉप ही काफी नहीं है, उन्हें कुछ इस तरह की किट बनानी पड़ेगी जिससे बच्चे घर पर भी प्रैक्टिस कर सकें और 2015 में उन्होंने अपने बिजनेस मॉडल में थोड़ा सा बदलाव करते हुए उन किट के प्रोडक्शन की तरफ डायवर्ट कर दिया। वर्कशॉप के साथ-साथ उनके बनाए गए किट की डिमांड भी बढ़ने लगी।

2018 तक उन्होंने कई तरह के किट बना लिए थे और उनका पहला एक्सपोर्ट कनाडा के लिए संभव हुआ। आज उनका कनाडा के अलावा कई जगहों पर माल निर्यात होता है। उनके व्यापार का बीस प्रतिशत हिस्सा B2C एवं अस्सी प्रतिशत हिस्सा B2b से आता है। आज उनके साथ अठारह लोग काम करते हैं एवं उनका एक करोड़ का टर्नओवर है।

# SSS EVENT

## International Conference on "Vision 2047 - Prosperous and Great Bharat 2.0",

The International Conference on "Vision 2047 - Prosperous and Great Bharat 2.0", held from 24th to 26th April 2026, stands as a historic milestone in India's journey toward its centenary. Organised by the Indian Institute of Technology (IIT) Roorkee in collaboration with Swadeshi Shodh Sansthan (SSS), the symposium served as a high-level melting pot for eminent scientists, policymakers, academic leaders, and industry titans. The event was a clarion call for "Jan Bhagidari" (people's participation), emphasising that the dream of a developed India is not just a government mandate but a collective national mission.



## स्वदेशी विचार

Swadeshi is not merely a boycott, it is the positive assertion  
of our capacity to build our own destiny

~ C. Rajagopalachari (Rajaji)

Our Social Media:



## Editorial Board

**Chief Editor** : Prof. Raj K Mittal

**Editor** : Prof. Sunita Bharatwal

**Co-Editor** : Dr. Amit Kumar

**Section Editor** : Ms. Urshita Bansal

**Technical  
& Design** : Mr. Naman Kashyap